(जुलाई–दिसम्बर 2019 से लागू)

# एम०ए०, हिन्दी साहित्य, प्रथम सेमेस्टर

## MHL-C111

## द्विवेदी युगीन एवं छायावादी काव्य

पूर्णांक 100 सत्रांत परीक्षा 70 अंक

क्रेडिट–6 सतत आन्तरिक मूल्यांकन 30 अंक

---

निर्धारित पाठ्यक्रम : (इकाई–1, 2 से व्याख्या)

**इकाई–1**
1. मैथिली शरण गुप्त – साकेत (नवम सर्ग)
2. जयशंकर प्रसाद – कामायनी (श्रद्धा सर्ग)

**इकाई–2**
3. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' – राम की शक्ति पूजा (राग–विराग, सम्पा० राम विलास शर्मा, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
4. सुमित्रानन्दन पंत – मौन निमंत्रण, परिवर्तन, एक तारा, नौका–विहार (तारापथ, सम्पा० सुमित्रानन्दन पंत, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

**इकाई–3** मैथिलीशरण गुप्त – साकेत का काव्य सौष्ठव, साकेत में आधुनिकता, गुप्त जी की राष्ट्रीय भावना, उर्मिला का विरह वर्णन।

जयशंकर प्रसाद – कामायनी का महाकाव्यत्व, छायावाद और कामायनी, प्रसाद की काव्यगत विशेषताएँ, प्रसाद की सौन्दर्य चेतना।

**इकाई–4** सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' – राम की शक्ति पूजा का काव्य–सौष्ठव, निराला की काव्यगत विशेषताएँ, निराला की प्रगति चेतना, निराला की भाषा–शैली।

सुमित्रानन्दन पंत – पंत की काव्य–यात्रा, पंत का प्रकृति–चित्रण, पंत की काव्य भाषा, पंत काव्य में कोमल कल्पना।

**इकाई–5** **द्रुत पाठ**– द्रुत पाठ हेतु निर्धारित कवि– 1. नाथूराम शर्मा 'शंकर', 2. अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध, 3. जगन्नाथ दास रत्नाकर, 4. महादेवी वर्मा। (इनके काव्य का सामान्य अध्ययन ही अपेक्षित है। इन पर दीर्घ उत्तरी प्रश्न नहीं पूछे जायेंगे)

---

संदर्भ ग्रन्थ :


1. मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्ति और काव्य – डॉ० कमला कान्त पाठक
2. मैथिलीशण गुप्त की काव्य साधना – उमा कान्त गोयल
3. साकेत : एक अध्ययन – डॉ० नगेन्द्र
4. कामायनी में काव्य, संस्कृति और दर्शन – डॉ० द्वारिका प्रसाद सक्सेना
5. निराला की साहित्य साधना (भाग–2) – डॉ० राम विलास शर्मा
6. पंत का काव्य – प्रेम लता बाफना
7. महादेवी की काव्य चेतना – डॉ० राजेन्द्र मिश्र
8. महीयसी महादेवी – गंगा प्रसाद पाण्डेय
9. हरिऔध : जीवन और कृतित्व – मुकुन्द देव शर्मा
10. हरिऔध के महाकाव्य : वस्तु और शिल्प – डॉ० ज्ञान चन्द रावल